Bareilly, Sunday,
21 April 2024

BAREILLY EDITION

Price ₹ 3.50/-
Pages 12

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO 5 : TOP RIGHT

बीमारियों को अनदेखा करना पड़ सकता है हैल्थ के लिए भारी

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में दो दिवसीय यूपी-यूके ट्रोपिकान 2024 में हुआ विमर्श

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (20 April): जीवन शैली में बदलाव के बाद लोगों को बीमारियों ने घेर लिया है. यह बात सभी बेहतर ढंग से जानते हैं. मगर खून में रह कर बीमारी फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस, माइकोप्लाज्मा, प्रोटोजोआ जैसे हीमोपैरासाइट्स को अनदेखी से भी मरने वालों की संख्या कम नहीं है. साधारण सा समझा जाने वाला मलेरिया, टाइफाइड, टीबी से लेकर महामारी बनने वाला कोरोना सब इन्हीं सूक्ष्मजीवों का परिणाम हैं. ट्रोपिकल (उष्णकटिबंधीय) क्षेत्र मलेरिया परजीवी से मरने वाले लोगों की संख्या काफी ज्यादा है. ऐसे में इनसे बचाव ज्यादा आवश्यक है. यह निष्कर्ष इंडियन एकेडमी आफ ट्रोपिकल पैरासायटोलाजी (आइएटीपी) की पांचवी स्टेट कांफ्रेंस यूपी-यूके ट्रोपिकान 2024 में निकल कर सामने आया.

कार्यक्रम में उपस्थित लोग.

गंभीरता से नहीं लेते

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट की ओर से ट्रॉपिकल (उष्णकटिबंधीय) क्षेत्र के उपेक्षित परजीवी रोग अज्ञानता से जागरूकता विषय पर दो दिवसीय वर्कशाप और साइंटिफिक कांफ्रेंस आयोजित हुई. 19 और 20 अप्रैल को आयोजित इस कार्यक्रम में बैक्टीरिया, माइकोप्लाज्मा, प्रोटोजोआ जैसे खून में रहने वाले परजीवियों पर में देश के नामचीन माइक्रोबायोलाजिस्ट ने अपने शोध पत्र पर व्याख्यान दिया. इसमें पेपर प्रेजेंटेशन के साथ ही पोस्टर प्रजेंटेशन भी आयोजित हुआ. कार्यक्रम में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि सूक्ष्मजीवों से बीमारियां कितनी खतरनाक हो सकती हैं, इसकी जानकारी कोविड महामारी के बाद सभी को हो गई है. अभी भी हम सब सूक्ष्म जीवों से होने वाली बीमारियों को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते. मलेरिया जैसे बुखार या पेट खराब होने जैसी स्थिति में मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खा लेते हैं. जो धीरे-धीरे घातक साबित होती है. इसी बीच आइएटीपी के यूपी-यूके चैप्टर की प्रेसिडेंट और एम्स कल्याणी की प्रोफेसर डा. ऊम्बला घोषाल ने संस्था की स्थापना से लेकर अब तक की जानकारी दी. लखनऊ के प्रोफेसर डा. मनोदीप सेन ने कांफ्रेंस को समय की जरूरत बताया. इस मौके पर डा. राहुल कुमार मेदरोत्रा, डा. वंदना सरदाना, डा. सरोदया सिंह, डा. जसप्रीत कौर, डा. मुत्थु महेश्वरी आदि मौजूद रहीं.